दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 07 जनवरी 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 101

भूस्खलन की जद में जोशीमठ, सभी बड़े प्रोजेक्टों पर रोक- सरकार ने बुलाई हाई लेवल मीटिंग

चमोली (आरएनएस)। जोशीमठ में हो रहे भूस्खलन और उससे प्रभावित लोगों के लिए धामी सरकार ने तुरंत एक्शन लेते हुए एनटीपीसी की जल विद्युत परियोजना, हेलंग मारवाड़ी बाईपास समेत अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स पर रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री के इस फैसले को सही बताते हुए स्थानीय लोगों का कहना है कि जो फैसला अभी लिया गया है अगर वह पहले हो जाता तो जोशीमठ आज इस तरीके से भूस्खलन की जद में नहीं आता।

जोशीमठ में हो रहे भू-धंसान को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एक्शन मोड में आ गए हैं। जहां एक और जोशीमठ में सभी बड़े प्रोजेक्ट्स पर रोक लगा दी गई है तो वहीं मुख्यमंत्री ने आज एक हाई लेवल मीटिंग भी बुलाई है। इसके साथ ही जोशीमठ में भू-धंसाव की समस्या को लेकर प्रशासन प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद पहुंचाने में जुटा है. प्रभावित परिवारों को नगरपालिका, ब्लॉक, बीकेटीसी गेस्ट हाउस, जीआईसी, गुरुद्वारा, इंटर कॉलेज, आईटीआई तपोवन सहित अन्य सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। नगर क्षेत्र से 43 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी रूप से शिफ्ट किया गया है जिसमें से 38 परिवार को प्रशासन ने शिफ्ट किया है, जबकि पांच परिवार स्वयं सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राहत और बचाव कार्य में कोई कमी ना हो। मुख्यमंत्री के इस आदेश का भी असर देखा जा रहा है. आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत सिन्हा जोशीमठ पहुंच चुके हैं। गुरुवार देर रात उन्होंने कई इलाकों का भ्रमण किया। साथ ही प्रशासन की टीम दिनभर प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रही है, जो लोग प्रभावित हैं, उन्हें आवश्यक चीजें पहुंचाई जा रही है। साथ ही खाने पीने की व्यवस्थाएं की जा रही है।

जोशीमठ ही नहीं यहां भी हो रहा भू धसाव, घरों में पड़ीं दरारें, धंस रहे खेत

उत्तरकाशी (आरएनएस)। उत्तरकाशी जनपद का मस्ताड़ी गांव 31 वर्षों से भू-धंसाव की चपेट में हैं। यहां लोगों के घरों में दरारें आई है। रास्ते व खेत लगातार धंस रहे हैं। ग्रामीण लंबे समय से विस्थापन की मांग कर रहे हैं लेकिन अभी तक विस्थापन नहीं हो पाया है। प्रशासन का कहना है कि विस्थापन के लिए भूमि चयनित कर ली गई है। भूगर्भीय सर्वे के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह गांव जिला मुख्यालय से मात्र 10 किलोमीटर दूर है। मस्ताड़ी गांव में वर्ष 1991 में आए भूकंप के बाद से भू-धसाव शुरू हो गया था। भूकंप में गांव के लगभग सभी मकान ध्वस्त हो गए थे। 1997 में प्रशासन ने गांव का भूगर्भीय सर्वेक्षण भी कराया था।

भूवैज्ञानिक ने गांव में तत्काल सुरक्षात्मक कार्य का सुझाव दिया था लेकिन 31 साल बाद भी गांव का विस्थापन नहीं हो पाया है और न ही सुरक्षात्मक कार्य हुए हैं। स्थिति यह है कि गांव धीरे-धीरे धंसता जा रहा है। धंसाव के चलते रास्ते ध्वस्त हो रहे हैं, बिजली के पोल तिरछे हो चुके हैं और पेड़ भी धंस रहे हैं।

भू-वैज्ञानिक की सलाह प्रशासन ने वर्ष 1997 में मस्ताड़ी गांव का भूसर्वेक्षण कराया था। तब भूवैज्ञानिक डीपी शर्मा ने गांव में सुरक्षात्मक कार्यों की सलाह दी थी। उन्होंने प्रशासन को सौंपी रिपोर्ट में कहा था कि भू-धंसाव वाले क्षेत्र में भूमि संरक्षण विभाग से सर्वेक्षण कराकर चेकडैम, सुरक्षा दीवार का निर्माण व पौधरोपण कराया जाए। मकानों के चारों ओर पक्की नालियों का निर्माण कर पानी की निकासी की व्यवस्था की जाए।

कर्णप्रयाग में भी खतरा घरों में पड़ीं दरारें, दहशत में 50 से ज्यादा परिवार:-

जोशीमठ में भू-धंसाव की घटना के बाद कर्णप्रयाग में बहुगुणानग, सीएमपी बैंड और सब्जी मंडी के ऊपरी भाग में रहने वाले 50 से अधिक परिवार भी दहशत में हैं। यहां मकानों की दीवारों व चौक के आंगन में दरारें और लटकी मकानों की छत आपदा का दर्द बयां कर रहे हैं। इस भाग में बरसात के दौरान तेजी से भू-धंसाव हुआ था लेकिन अभी तक ट्रीटमेंट न होने से लोग खतरे के साये में रात बिता रहे हैं।

यहां बदरीनाथ हाईवे के किनारे बसे इस भू-भाग पर करीब 25 मकानों में दो फीट तक दरारें पड़ी हैं जिस कारण कई लोग अपने मकान छोड़ चुके हैं। जबकि अधिकांश परिवार खौफ के साये में टूटे मकानों में ही रहने के लिए मजबूर हैं।

महत्वपूर्ण एवं खास

भारत-नेपाल सीमा के पास प्रतिबंधित सामान के साथ चार गिरफ्तार

बहराइच (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में भारत-नेपाल सीमा के पास रुपैडीहा से दो करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ के साथ चार संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) प्रशांत वर्मा ने बताया कि स्थानीय पुलिस और सशस्त्र सीमा बल के संयुक्त गश्ती दल ने चार संदिग्ध तस्करों को 435 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को रूपईडीहा रेलवे स्टेशन के पास रोककर तलाशी लेने पर उनके पास प्रतिबंधित दवा पाई गई। पुलिस ने बताया कि, जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2.17 करोड़ रुपये आंकी गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अशोक कुमार ने बताया कि चारों की पहचान ताज बाबू उर्फ समीर, बबलू उर्फ मोहम्मद अमीन, संजय केवट और दिनेश के रूप में हुई है। पुलिस ने चौकड़ी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

यूपी पुलिस ने तस्करों द्वारा बेचे गए बच्चे को छुड़ाया, छह गिरफ्तार

मिर्जापुर (आरएनएस)। मानव तस्करों द्वारा आगरा में एक नि:संतान दंपति को बेचे गए ढाई साल के बच्चे को उत्तर प्रदेश पुलिस ने छुड़ाया है। मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बच्चा मिजार्पुर जिले के चुनार क्षेत्र की एक महिला मजदूर का बेटा था। मिजार्पुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने मिजार्पुर की ऊषा गोंड, रामबाबू सोनकर, नीतू सोनकर, आगरा के वीरपाल, सुधा सिंह सिसोदिया और परम सिंह को गिरफ्तार किया है। एसपी ने कहा कि कथित बाल तस्करों के पास से 25 हजार रुपये नकद भी बरामद किया गया है। बचाए गए बच्चे को उसकी मां से मिलवाया गया। जब पुलिस ने मामले की जांच शुरू की, तो यह पता चला कि महिला मजदूर, जिसके पति की हाल ही में मृत्यु हो गई थी, से आरोपी ने संपर्क किया था, जिसने उसे आगरा में नौकरी दिलाने का वादा किया था। बाद में वे महिला और उसके बच्चे को आगरा ले गए और उनके द्वारा तय किए गए स्थान पर रुके। आरोपी ऊषा, रामबाबू और नीतू खरीदारों से पैसे वसूल कर मौके से फरार हो गए। बाद में महिला को वीरपाल, सुधा और परम ने बताया कि उसे और उसके बच्चे को बेच दिया गया है। महिला किसी तरह वहां से भाग निकली और मामले की सूचना पुलिस को दी।

कोलकाता पुलिस ने किया फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

कोलकाता(आरएनएस)। कोलकाता पुलिस ने ब्रिटेन के लोगों से फर्जी कॉल सेंटर के जरिए ठगी करने वाले जालसाजों के एक गिरोह का भंडाफोड करने के बाद शुक्रवार को सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया। कोलकाता पुलिस शिकायत मिलने पर तुरंत हरकत में आई। पुलिस ने सुराग के आधार पर बुधवार शाम को लेदर कॉम्प्लेक्स थाना अंतर्गत कोच पुकुर में अवैध रूप से चलने वाले कॉल सेंटर पर छापा मारा और 16 संदिग्धों को गिरफ्तार करने के बाद उनसे आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर को भंडाफोड करने के बाद गिरफ्तार किए लोगों से लैपटॉप, मोबाइल फोन सेट, नोटबुक और एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस ने शुक्रवार को सभी 16 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रकिया के लिए अदालत में पेश किया।

यूपी के गांव में खसरे का प्रकोप, तीन बच्चों की मौत

कानपुर (आरएनएस)। उन्नाव के दानीगढ़ी गांव में महज तीन सप्ताह के भीतर खसरे से एक परिवार बिना टीकाकरण वाले तीन बच्चों की मौत हो गई। उसी गांव में पैंतीस और बच्चों को चकत्ते हो गए हैं और वे बुखार से पीड़ित हैं। इनमें से तीन की हालत गंभीर होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रकोप को देखते हुए जिला स्वास्थ्य विभाग ने स्थानीय लोगों के प्रतिरोध के बावजूद बच्चों को खसरे से बचाने के लिए टीकाकरण अभियान शुरू किया है।

मामलों को देखने और बीमारी के प्रसार की जांच के लिए गांव में डॉक्टरों की एक टीम तैनात की गई है। उन्नाव के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) सत्य प्रकाश ने खसरा से तीन लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, सभी नाबालिग पीड़ितों को टीका नहीं लगाया गया था। हम स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हमारी टीमों ने गांव के 60 प्रतिशत बच्चों का टीकाकरण किया है और खसरे से पीड़ित बच्चों का इलाज कर रहे हैं।

यह पता चला है कि टीकाकरण अभियान के दौरान डॉक्टरों को ग्रामीणों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा था। डॉक्टरों को हस्तक्षेप के लिए मौलवियों को बुलाना पड़ा और बाद में पूजा स्थलों से आवश्यक घोषणाएं की गईं।

स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट अपूर्व दुबे भी गांव गए और ग्रामीणों के साथ लंबी बातचीत की और उनके मिथकों को दूर करने में मदद की। सीएमओ ने कहा, मौलवियों और अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद गांव में टीकाकरण अभियान शुरू हुआ। हालांकि कुछ लोग अभी भी बच्चों का टीकाकरण कराने से परहेज कर रहे हैं।

मंदिर के गुंबद से टकराकर ट्रेनी प्लेन क्रैश, पायलट की मौत

रीवा (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के रीवा में बड़ा हादसा हो गया। एक ट्रेनी प्लेन मंदिर के गुंबद से टकरा कर क्रैश हो गया। इस हादसे में प्लेन में मौजूद पायलट और प्रशिक्षु गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए उन्हें संजय गांधी अस्पताल में कराया गया। यहां सीनियर पायलट की मौत हो गई। पायलट प्रशिक्षण कंपनी का प्लेन देर रात दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इलाज के लिए उन्हें संजय गांधी अस्पताल में कराया गया। यहां सीनियर पायलट की मौत हो गई। पायलट प्रशिक्षण कंपनी का प्लेन देर रात दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

यह घटना देर रात 12 से 1 बजे के बीच की बताई जा रही है। बताया जा रहा है की चोरहटा हवाई पट्टी से यह प्लेन उड़ा था जिसके बाद घने कोहरे के चलते यह प्लेन नीचे ही रह गया और एक आम के पेड़ में टकराने के बाद मंदिर के गुंबद से जा टकराया और क्रैश हो गया प्लेन के टकराने से मंदिर का गुंबद भी टूटकर नीचे गिर गया।

अगर यह प्लेन मंदिर से न टकराकर किसी घर से टकराता तो बड़ा हादसा हो सकता था। आसपास कई घर भी हैं। जैसे ही इस घटना की जानकारी पुलिस को लगी वैसे ही बचाव कार्य के लिए पुलिस की टीम दल बल के साथ मौके पर पहुंच गई। घटना की जानकारी लगते ही ग्रामीणों की काफी भीड़ भी मौके पर इक_ा हो गई। प्लेन मंदिर के गुंबज से इतनी जोर से भिड़ा की उसके परखच्चे उड़ गए।

दोनो घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल भेजा गया था जहां पर उपचार के दौरान सीनियर पायलट की मौत हो गई जबकि प्रशिक्षु पायलट की हालत गंभीर बनी हुई है।मृतक का नाम विमल कुमार (60) है जो बिहार के रहने वाले थे। घायल प्रशिक्षु का नाम सोनू कुमार (24) जयपुर राजस्थान का रहने वाला बताया जा रहा है।

फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि घटना के पीछे की वजह घना कोहरा था यह फिर किसी और कारण से यह हादसा हुआ। घटना की जानकारी लगने के बाद मौके पर जिला कलेक्टर मनोज पुष्प और एसपी नवनीत भसीन भी मौके पर पहुंचे।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने की टीआरएफ के सफाए की कार्यवाई शुरू

जम्मू (आरएनएस)। गृह मंत्रालय (एमएचए) का 'द रेसिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को आतंकवादी संगठन घोषित करते हुए उसके सफाए के लिए अंतिम कार्रवाई शुरू का दी है। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि टीआरएफ लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी समूह की एक शाखा है। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में लश्कर के मोहम्मद अमीन उर्फ अबू खुबैब को भी आतंकवादी घोषित किया है, जो जम्मू-कश्मीर से ताल्लुक रखता है।

माना जाता है कि मोहम्मद अमीन उर्फ अबू खुबैब अफगानिस्तान से काम करता है और जम्मू क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है।

एमएचए के अनुसार टीआरएफ जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए ऑनलाइन मीडिया के माध्यम से युवाओं को उग्रवाद में भर्ती कर रहा है। यह संगठन आतंकी गतिविधियों पर

दुष्प्रचार करने में भी शामिल रहा है।

टीआरएफ आतंकवादियों की भर्ती और घुसपैठ और आतंकवाद को हवा देने के लिए पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर में हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल है।

अधिसूचना में कहा गया है, टीआरएफ जम्मू और कश्मीर के लोगों को भारतीय राज्य के खिलाफ आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए उकसाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहा है। गृह मंत्रालय ने कमांडर शेख सज्जाद गुल को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत आतंकवादी घोषित किया है। टीआरएफ की गतिविधियों को राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत की संप्रभुता के लिए हानिकारक बताते हुए अधिसूचना में कहा गया है कि टीआरएफ के सदस्यों और सहयोगियों के खिलाफ बड़ी संख्या में मामले दर्ज किए गए हैं।

गृह मंत्रालय ने जोर देकर कहा, केंद्र सरकार का मानना है कि संगठन आतंकवाद में शामिल है और इसने देश भर में आतंक के विभिन्न कृत्यों को अंजाम दिया है और इसमें भाग लिया है।

टीआरएफ 2019 में लश्कर के प्रॉक्सी संगठन के रूप में अस्तित्व में आया।

टीआरएफ ने प्रवासी सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ धमकियां जारी करने के अलावा स्थानीय अखबारों के संपादकों सहित स्थानीय पत्रकारों को भी धमकी दी है।

खुफिया एजेंसियों का कहना है कि मोहम्मद अमीन उर्फ अबू खुबैब, जो जम्मू-कश्मीर का है, लेकिन अब पाकिस्तान में रहता है, लश्कर के लॉन्चिंग कमांडर के रूप में काम कर रहा है। उसने आतंकवादी गतिविधियों को पुनर्जीवित करने और तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सीमा पार एजेंसियों के साथ एक नेटवर्क तैयार किया है।

खुफिया एजेंसियों का दावा है, वह आतंकवादी हमलों के समन्वय में शामिल है, सीमा पार से हथियारों और विस्फोटकों की आपूर्ति और आतंक के वित्तपोषण में शामिल है।

गृह मंत्रालय की अधिसूचना के बाद प्रशासन प्रतिबंधित संगठन के कैडर की संपत्तियों, बैंक खातों और अन्य संपत्तियों चल और अचल को जब्त और कुर्क कर सकता है। इसके अलावा प्रशासन प्रतिबंधित संगठनों और व्यक्तियों की गतिविधियों को कुचलने के लिए विभिन्न विकल्पों की तलाश कर रहा है।

मंदिर ट्रस्ट भगवान राम की मूर्ति के डिजाइन को देगा अंतिम रूप

अयोध्या (आरएनएस)। श्री राम जन्मभूमि तीरथ क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर के लिए देश के शीर्ष मूर्तिकारों से रामलला (बच्चे के रूप में भगवान राम) की मूर्ति के लिए अपने मॉडल भेजने को कहा है। ट्रस्ट राम मंदिर के लिए किसी एक मॉडल का चयन करेगा। ट्रस्ट के सदस्यों के अनुसार जाने-माने मूर्तिकार सुदर्शन साहू और ओडिशा के वासुदेव कामथ, के.वी. कर्नाटक की मनिया और पुणे के शास्त्रज्य देउलकर नौ से 12 इंच की प्रतिमा के मॉडल भेजेंगे।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा, रामलला की मूर्ति तैयार करने के लिए महाराष्ट्र, ओडिशा और कर्नाटक के पत्थरों का चयन किया गया है। ट्रस्ट मॉडल को अंतिम रूप देने के बाद पत्थरों को मंजूरी देगा।

उन्होंने कहा कि प्रतिमा की ऊंचाई करीब 8.5 फुट से नौ फुट होगी, ताकि सूर्य की किरणें पड़ सकें। ट्रस्ट ने देश के शीर्ष संस्थानों को वास्तुकला और भवन डिजाइन में विशेषज्ञता के साथ राम मंदिर गर्भगृह को इस तरह से तैयार करने के लिए तैयार किया है कि हर रामनवमी पर दोपहर बारह बजे भगवान के जन्म पर रामलला के माथे पर सूरज की रोशनी पड़े।

इस उद्देश्य के लिए रुडक़ी के सीएसआईआर-सीबीआरआई, इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, पुणे और प्रसिद्ध मंदिर वास्तुकारों के विशेषज्ञों की एक टीम गठित की गई है।

सर्द मौसम में रेलवे ने साझा किए रोमांचकारी दृश्य

नई दिल्ली (आरएनएस)। सर्दी का मौसम भले ही ठिठुरन का अहसास करा रहा है, लेकिन कुछ जगहों की खूबसूरती ठंड के मौसम में और ज्यादा बढ़ जाती है। इसी सिलसिले में भारतीय रेलवे ने जम्मू-कश्मीर में बर्फ से ढके स्टेशनों के रोमांचक दृश्य साझा किए हैं। रेल मंत्रालय ने कश्मीर में बर्फ से ढकी घाटी से गुजरती हुई ट्रेन के 'मनोहर' दृश्य का वीडियो ट्विटर पर शेयर किया है। वीडियो में ट्रेन जम्मू-कश्मीर के 'हामरे' स्टेशन से गुजरती हुई दिख रही है। इससे पहले रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोश ने भी बर्फ से ढके श्रीनगर रेलवे स्टेशन की तस्वीरें ट्विटर पर शेयर की थीं।

गौरतलब है कि कड़ाके की सर्दी ने पूरे उत्तर भारत को अपने चपेट में ले रखा है। शीतलहर से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मगर प्रकृति ने इस मौसम में कुछ जगहों को बहुत खूबसूरती भी बख्शी है। खासकर जम्मू-कश्मीर में तो बिछी बर्फ की सफेद चादर हर किसी को धरती पर जन्नत का दीदार करा देती है।

इन दिनों भारत की रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोश की खूबसूरत फिजाओं के कायल हो गई है। उन्होंने बर्फ से ढके श्रीनगर रेलवे स्टेशन की एक के बाद एक कई तस्वीरें ट्विटर पर शेयर की हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई ये तस्वीरें बेहद खूबसूरत लग रही हैं। तस्वीरों में हर तरफ बर्फ की चादर बिछी हुई है और एक यात्री-ट्रेन जम्मू-कश्मीर के बर्फ से ढके बारामूला-बनिहाल खंड से गुजर रही है।

भारतीय रेलवे को दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क माना जाता है। रेलवे ने मैदानों, पहाडिय़ों, पहाड़ों, पानी के नीचे आदि में अपना नेटवर्क बनाया है। जम्मू-कश्मीर में रेलवे नेटवर्क देश में सर्वोच्च ऊंचाई वाला नेटवर्क है। इस समय घाटी में बर्फबारी के साथ भीषण शीत लहर की स्थिति देखी जा रही है। श्रीनगर में तापमान -3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जबकि बनिहाल में 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

उड़ान में किसी भी अनुचित व्यवहार की तत्काल सूचना दें, एयर इंडिया के सीईओ का कर्मचारियों को निर्देश

नई दिल्ली (आरएनएस)। एयर इंडिया के विमानों में हुई हालिया घटना के बाद एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने कर्मचारियों से एक खास अपील की है। उन्होंने कहा कि उड़ान में किसी भी अनुचित व्यवहार की तुरंत जानकारी दें। एयरलाइन कर्मचारियों के साथ एक आंतरिक बातचीत में उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं में हम प्रभावित यात्री की पीड़ा को पूरी तरह से समझते हैं। बात जितनी बताई गई थी, उससे कहीं अधिक पेचीदा है। हमें इससे सबक लेना चाहिए।

विल्सन ने कहा कि सबसे जरूरी यह है कि अगर विमान में इस हद तक अनुचित व्यवहार किया गया है, तो हमें जितनी जल्दी हो अधिकारियों को इसकी जानकारी देनी चाहिए। चाहे यह प्रतीत क्यों न हो रहा हो कि उसमें शामिल पक्षों ने मामला निपटा लिया है।

इससे पहले अधिकारियों ने गुरुवार को बताया था कि एयर इंडिया की न्यूयॉर्क-दिल्ली उड़ान में 26 नवंबर को हुई आश्चर्यजनक घटना के 10 दिन बाद पेरिस-दिल्ली उड़ान में भी शराब के नशे में धुत पुरुष यात्री ने महिला यात्री के कंबल पर पेशाब करने का मामला सामने आया था। हालांकि, आरोपी के लिखित रूप से माफी मांगने के बाद उसके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई। अधिकारियों ने बताया कि घटना छह दिसंबर को एयर इंडिया की उड़ान संख्या 142 में हुई थी। विमान के पायलट ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) को इस मामले की जानकारी दी थी। इसके बाद बाद यात्री को हिरासत में ले लिया गया था।